विदर्भ स्वाभिमान

RNI NO. MAHHIN / 2010 /43881

संपादक : सुभाषचंद्र दुबे

प्रबंधक : सौ. विणा एस. दुबे

❖ अमरावती, गुरूवार 9 से 15 मई 2024 ❖वर्ष :14 ❖ अंक- 46 ❖ पृष्ठ 8 ❖ मूल्य - 4/- पोस्टल रजि.नं ATI/RNP/268/2022-2024 ❖डाक : शुक्रवार-शनिवार

बाबूजी के आदर्श विचार

पूज्य बाबूजी का जीवन सिद्धांत

हर व्यक्ति को लगता है कि हर कोई उसका सम्मान करे. लेकिन सम्मान देने से ही मिलता है, यह अक्सर हम भूल जाते हैं. कई लोगों को सम्मान की चाहत ज्यादा होती है. लेकिन बारी जब उनकी आती है तो उसमें फेल हो जाते हैं. सम्मान देने वालों को सदैव सम्मान ही मिलता है. कहते हैं कि जैसा बोओगे, वैसा ही पाओगे. बबूल का पेड़ अगर लगाया है तो मीठे आम के फल नहीं मिल सकते हैं. इसलिए सदैव सम्मान करना सीखें.

न भाषा न भेद,सब ब्राह्मण एक

भगवान परशुराम जन्मोत्सव कल,पप्पू छांगानी के नेतृत्व में निकलेगी भव्य शोभायात्रा

विदर्भ स्वाभिमान,8 मई

अमरावती : ब्राह्मण समाज के आराध्य और भगवान विष्णु के अवतार भगवान परशुराम जहां अन्याय के खिलाफ सख्त मिजाज वाले देवता हैं, वहीं दूसरी ओर माता-पिता के असीम भक्त हैं. उनका जन्मोत्सव अखिल भारतीय ब्राह्मण महासंघ के अध्यक्ष पप्पू छांगानी के नेतृत्व में भव्य पैमाने पर मनाया जा रहा है. इस उपलक्ष्य में विदर्भ स्वाभिमान से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि ब्राह्मणों में न प्रांत न शाखा का भेदभाव होना चाहिए.सभी ब्राह्मण एक हो रहे हैं, यह बेहतरीन बात है. इस दिशा में अ.भा.ब्राह्मण महासंघ द्वारा सभी को एक छत्र के

नीचे लाने का प्रयास किया जा रहा है. इसे सभी का प्रतिसाद भी मिल रहा है. यह संतोष की बात है.

एकता में ही शक्ति

ब्राह्मण समाज की एकता के साथ ही विभिन्न संगठनों के माध्यम से समाजसेवा में अग्रणी रमेश उर्फ पप्पूभैया छांगानी के मुताबिक युवाओं में एकता को मजबूत करने की ताकत होती है.ब्राह्मण समाज पहले ही सरकारी उपेक्षा का शिकार हो रहा है. आरक्षण के कारण इस समाज की प्रतिभाएं आज हर जगह उपेक्षित हो रही हैं. एकता में ही शक्ति होती है. चाहे वह परिवार की एकता हो अथवा समाज की. इस साल ब्राह्मण समाज के आराध्य भगवान परशुराम जन्मोत्सव पर सभी ब्राह्मणों को संकल्प लेना चाहिए कि वे सामाजिक एकता के लिए अपनी ओर से हरसंभव योगदान देने का प्रयास करेंगे. समाज की ताकत से ही समाज के लोगों का भी महत्व बढ़ता है. आज एकता के सूत्र में **शेष पेज 2 पर**

समस्त ब्राह्मण समाज के आराध्य भगवान परशुराम ज़न्मोत्सव 10 मई के उपलक्ष्य में समस्त ब्राह्मण समाज को हार्दिक शुभकामनाएं. इस उपलक्ष्य में अखिल भारतीय ब्राह्मण महासंघ द्वारा आयोजित भव्य शोभायात्रा तथा सभी कार्यक्रमों को भी हमारी हार्दिक शुभकामनाएँ. भेदभाव भुलाकर सभी ब्राह्मण एक हों, यही कामना.

विदर्भ स्वाभिमान परिवार

संपादकीय

भगवान परशुराम जन्मोत्सव पर लें संकल्प

समस्त ब्राह्मण समाज के आराध्य के रूप में भगवान परशुराम को पूजा जाता है. उन्हें भगवान विष्णु का छठवां अवतार माना जाता है. वे ताकत के साथ ही अत्यंत क्रोधी थे, अन्याय तथा अत्याचार को लेकर रवे अति उग्र थे. ब्राह्मण समाज के आराध्य का जन्मोत्सव अमरावती में 10 मई को भव्य पैमाने पर मनाया जा रहा है. इस माध्यम से समस्त शाखाओं में विभाजित ब्राह्मण समाज एक होकर बड़ी ताकत बने और आगामी पीढ़ियों के लिए आदर्श स्थापित करे, हम यही कामना करनते हैं. वैशाख मास की शक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को अक्षय तृतीया मनाई जाती हैं. इसी दिन भगवान परशुराम का जन्मोत्सव होता है.धार्मिक मान्यता के अनसार परशुराम जी भगवान विष्ण के दस अवतारों में से छठवें अवतार थे और महर्षि जमदग्नि और रेणुका के पत्र थे. इस बार परशुराम जयंती 10 मई 2024 को मनाई जा रही है. परशुराम भगवान को लेकर एक मान्यता ये भी है कि वे सातं चिरंजीवी पुरुषों में से एक हैं और आज भी धरती पर विद्यमान हैं. लेकिन क्या आप जानते हैं कि परशुराम के जन्म के समय उनका नाम राम रखा गया था. महान तपस्वी के साथ ही अत्यंत बलशाली भी रहे हैं. भगवान परशुराम के जन्म के समय उनका नाम रामरखा गया था. पिता जमदग्नि के आदेश पर राम बड़े होकर महादेव की तपस्या करने के लिए हिमालय पर गए. उनकी तपस्या से प्रसन्न होकर महादेव ने उन्हें कई शस्त्र दिए थे, जिसमें से एक फरसा था. फरसा को परशु भी कहा जाता है. बताते हैं कि भगवान महादेव द्वारा दिए गए परशु के कारण वे परशुराम कहलाने लगे. इस फरसे को धारण करने के बाद से उन्हें राम की जगह परशुराम कहा जाने लगा.यद्यपि उनकी तपस्या के साथ ही उनके कई नाम के साथ ही गुणों की वे खान कहे जाते हैं लेकिन अन्याय के खिलाफ उन्हें तत्काल क्रोध आता था. माता सीता के स्वयंवर के दौरान ऐसा पहली बार हुआ था जब विष्णुजी अपने दो स्वरूपों, राम और परशुराम के रूप में आमने-सामने आए थे और दोनों की मुलाकात हुई थी.परशुराम बहुत क्रोधी स्वभाव के थे एक बार वे भगवान शिव से मिलने गए. तब भगवान शिव साधना में लीन थे. लिहाजा गणपति ने उन्हें शिवजी से मिलने से रोक दिया. इससे वे इतने क्रोधित हुए कि उन्होंने शिवजी के दिए फरसे से गणेशजी पर प्रहार कर दिया. इस वार को झेलने के लिए गणपति ने अपना दांत आगे कर दिया. इस तरह गणेश जी का एक दांत टूट गया और उन्हें संसार में एकदंत कहा जाने लगा. लेकिन जब अपनी गलती का एहसास हुआ तो उन्होंने गणेशजी को आशिर्वाद भी दिया. भगवान परशुराम ने संसार को कभी भी अपनी किसी बात पर घमंड नहीं करने का संदेश भी दिया. एक बार परशुराम जी अयोध्या गए तो तो राजा दशरथ ने भगवान श्रीराम को उन्हें महल तक लाने के लिए भेजा. परशुराम जी ने श्रीराम के पराक्रम के बारे में सुना था तो उन्होंने भगवान राम की परीक्षा लेनी चाही और भगवान राम को दिव्य धनष देकर कहा, इसकी प्रत्यंचा चढ़ाकर दिखाओ. रामजी ने ऐसा कर दिया. इसके बाद उन्होंने राम जी को एक दिव्य बाण दिया और उसे धनष पर चढ़ाने के लिए कहा. श्रीराम ने ये भी कर दिया. ऐसा देखकर परशुराम आश्चर्यचकित हो गए. तब प्रभु श्रीराम ने उन्हें दिव्य दृष्टि दी और अपने असली स्वरूप के दर्शन दिए. इसके बाद उन्होंने दिव्य बाण से परशुराम जी के तप के घमंड को चूर किया. सभी ब्राह्मणों के लिए यह गर्व के साथ ही जिम्मेदारी का भी प्रसंग हैं, उन्हें भगवान परशुराम का वंशज होने के कारण सामाजिक एकता के साथ ही समाज की प्रगति के साथ ही राष्ट्र की प्रगति में अपना अधिकाधिक योगदान देने का संकल्प लेना चाहिए. भगवान परशुराम जन्मोत्सव पर हमारी सभी विप्र बंधुओं को हार्दिक शुभकामनाएं.

मतभेद नहीं,एकता की दरकार है

विदर्भ स्वाभिमान

राय बताएं-9423426199/8855019189

www.vidarbhswabhiman.com

ब्राह्मण समाज के आराध्य भगवान परशुराम जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में सभी ब्राह्मण बंधुओं को विदर्भ स्वाभिमान की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं. हमारे आराध्य भगवान परशुराम के वंशज होने पर हम सभी ब्राह्मणों को गर्व करना चाहिए. इसके साथ ही भगवान विष्णु के अवतार के रूप में वे हमारे पूज्यनीय हैं. अन्याय,अत्याचार के खिलाफ जहां भगवान परशुराम अग्नी थे, वहीं माता-पिता का जीवन में क्या महत्व होता है, इसका संदेश उन्होंने समूचे विश्व को दिया है. आज समय के साथ एकता हर समाज के लिए जरूरी हो गयी है. जिस समाज में मतभेद हैं, जो समाज बिखरा हुआ है, वह सदैव भगवान भरोसे ही रहता है. लेकिन जिस समाज में एकता की ताकत होती है, वह समाज लगातार मजबूती से आगे बढ़ता है.ब्राह्मण समाज समझदार, शांत, मेहनती और सामाजिक दायित्व निभाने वाले समाज के रूप में सुख्यात रहता है. लेकिन इसके साथ ही यह भी उतना ही सच है कि इस समाज ने स्वयं के प्रगति तथा विकास के लिए जितना कर सकता था, उतना नहीं किया. आज भी कहते हैं कि बुद्धिमान लोग जिस तरह से आगे बढ़ना चाहिए, यह समाज बुद्धिमान, समझदार होकर भी उतनी तरक्की नहीं कर सका. इसके पीछे के कारण क्या हैं, इसका आत्मचिंतन करने की जरूरत है. सामाजिक एकता से समाज ही प्रगति नहीं करता है बल्कि हमारी आने वाली पीढ़ियों को इसका बेहतरीन लाभ मिलता है. इसलिए इस बार भगवान परशुराम जन्मोत्सव पर हम सभी ब्राह्मणों को संकल्प लेना चाहिए कि हम सामाजिक एकता के साथ ही भाईचारा बढ़ाने और समाज को मजबूती के साथ आगे बढ़ाने की दिशा में प्रयास करेंगे. वैसे ही ब्राह्मण समाज देश की आबादी में कितने फीसदी है, लेकिन जितने फीसदी हैं, वह भी विभिन्न शाखाओं, विभिन्न भाषाओं के साथ ही कई बातों को लेकर अलग-अलग बिखरे हैं. इस समाज में प्रतिभाओं की कमी नहीं है. लेकिन हम दूसरे को ज्ञान बांटकर चले आते हैं, हमारे ज्ञान से वह तरक्की कर लेता है लेकिन हम उसका उपयोग नहीं करने वाली स्थिति से कोई इंकार नहीं कर सकता है. हमें संकल्प करना होगा कि हम एक हों.

सभी ब्राह्मण एकजुटता का संकल्प लें

विदर्भ स्वाभिमान भगवान परशुराम जन्मोत्सव

अखिल भारतीय ब्राह्मण महासंघ सभी शाखाओं के ब्राह्मणों को एकजुट करने तथा ताकत बनाने का प्रयास कर रहा है. सभी के सहयोग से ही समाज बड़ी ताकत बनेगा और यह आज के दौर में जरूरी है. न भाषा न भेद, सभी ब्राह्मण एक होने की जरूरत है. हमारी एकता ही भावी पीढ़ियों को सुरक्षा कवच प्रदान करेगी.

पप्पू छांगानी, अध्यक्ष

पेज 1 से जारी- बंधने और हमारी भावी पीढ़ियों के लिए कुछ करने का समय आ गया है. अखिल भारतीय ब्राह्मण महासंघ द्वारा हर शाखा के ब्राह्मणों के एक मंच के नीचे लाने और इसे ताकत बनाने की दिशा में जी-जान से प्रयास करने की जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि आज जो समाज एकजुट है, वही ताकत बना हुआ है. उनके मुताबिक विश्व में शायद ही ऐसा कोई समाज हो जो वर्षों से सरकारी उपेक्षा, योग्यता के पालन में कमी के बाद भी अपने अस्तित्व को कम संख्या में रहने के बाद भी टिकाए रखने में कामयाब हुआ है. ब्राह्मण समाज सबसे शांत और सकारात्मक विकास में विश्वास करने वाला मेहनती समाज है. आज यह समाज हर क्षेत्र में अपनी योग्यता का लोहा मनवा रहा है.

समझदारी की कमी

आमतौर पर ब्राह्मण समाज बुद्धिमानी, समझदारी, सामाजिक सेवा और दायित्व की भावना निभाने वाले शांतिपूर्ण तरीके से जीवन यापन करने वाला समाज है. इस समाज द्वारा कभी भी किसी की बुराई नहीं की जाती है. लेकिन समाज की सबसे बड़ी कमजोरी एकता का अभाव है. कभी शाखाओं के नाम पर, कभी भाषा के नाम पर इस समाज में एकता के प्रयास पूरी तरह से सफल नहीं हो सकेंगे. कहते हैं कि इतिहास वही समाज लिख सकता है, जिसका ऐतिहासिक महत्व सदैव रहा है. भगवान परशुराम के हम वंशज है. जिन्होंने अन्याय, अत्याचार के खिलाफ हमें लड़ना सिखाया है. मेहनत के साथ ही बुद्धिमानी का संगम ब्राह्मण समाज में देखा जाता है. अमरावती शहर ही नहीं तो राष्ट्रीय स्तर पर ब्राह्मण समाज का योगदान सदैव रहा है. आज भी अमरावती जिले तथा शहर में सैकड़ों ब्राह्मण बंधु हैं, जो पूरे शहर में अपने काम की छाप छोड़े हैं. उच्च विद्याविभूषित रहने के साथ ही इस समाज द्वारा काम में कभी भी शर्म का अनुभव नहीं किया जाता है. समाज की संख्या भले ही कम है लेकिन आज भी अपने स्वतंत्र अस्तित्व को ब्राह्मण समाज ने बरकरार रखा है. इस सच्चाई से कोई इंकार नहीं कर सकता है कि आज अगर व्यवसाय के क्षेत्र में समाज के बालकिसन पांडे, पप्पू छांगानी, देवराज तिवारी, हेमंतकुमार पटेरिया, जुगलकिशोर पटेरिया, रामकिसन तिवारी के साथ हजारों ऐसे नाम लिए जा सकते हैं, जिन्होंने अपने कामों से समाज को गौरवान्वित किया है. दीपक शर्मा, डॉ. शशांक दुबे, राजेश व्यास, नितेश पांडे, हर्षद उपाध्याय, रमेश दुबे, मुकेश तिवारी, दीपक श्रीमाली, अभिराज पांडे, रमेश शर्मा, अशोक ओझा, राकेश शुक्ला, गोपाल शर्मा, मदनमोहन जोशी, महेन्द्र डाबी, संतोष शर्मा, मोहन काटे, वीरेन्द्र पांडे, शिवनारायण पांडे, श्रीरंग फाटक, पवन जोशी, लक्ष्मीका3ंत आसोपा, नितिन पांडे, अनुराधा पटेरिया,घनश्याम सोनी, पवन रामावत, संजय साखरे, सुनील जांगिड के साथ ही सैकड़ों समाजबंधु अगर एक हो जाएं तो निश्चित तौर पर ब्राह्मण समाज की दशा और दिशा दोनों ही बदलने से कोई नहीं रोक सकता है. सभी समाज शाखाएं सेवारत रहते समय यह एक मंच के नीचे आकर काम करें, हम सभी को यही संकल्प लेना चाहिए. भगवान परशुराम जन्मोत्सव पर पप्पू छांगानी ने सभी समाजबंधुओं को हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए एकता में सहयोग का आग्रह किया.

विदर्भ स्वाभिमान

यह समाचार पत्र मालिक, प्रकाशक,संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे द्वारा एस.बी.प्रिंटर्स द्वारा दत्त पैलेस गांधी चौक अमरावती में मुद्रित कर विदर्भ स्वाभिमान कार्यालय,छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती में प्रकाशित किया गया है.मोबाइल नंबर 9423426199/8855019189.अखबार में [illegible] तरक्की पत्र,साहित्य,लेखकों,कवियों के विचारों व तथ्यों पर आधारित होते हैं. इनसे संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है.संपादक सुभाषचंद्र [illegible] है, दायित्व हेतु जिम्मेदार), मुख्य प्रबंधक- सौ.वीणा सुभाषचंद्र दुबे.Email-vidarbh.swabhiman@gmail.com,www.vidarbhswabhiman.com [illegible] लेकिन वह

विष्णुजी के छटे चिरंजीवी अवतार भगवान परशुराम

भगवान परशुरामजी ज़न्मोत्सव पर विशेष, शाखीय भेदभाव मिटाकर एकता का संकल्प लेना चाहिए

समस्त ब्राह्मण समाज को आराध्य भगवान परशुरामजी जन्मोत्सव पर हार्दिक शुभकामनाएं. हम सभी एकता के सूत्र में बंधते हुए समाज की एकता और मजबूती के लिए प्रयास करें, इस खुशी के पावन अवसर पर सभी को शुभकामनाएं देने के साथ ही इस बारे में सहयोग की उम्मीद है.

भगवान परशुरामजी ने त्रेतायग में ब्रह्मश्रेष्ठ महर्षि जमदग्नि एवं माताश्री रेणका के परिवार में वैशाख शुक्ल तृतीया (अक्ष्य तृतीया) को प्रदोष काल में जन्म लिया. पौराणिक वृत्तांत के अनुसार महर्षि जमदग्नि द्वारा सम्पन्न करवाए गए पुत्रेष्टि यज्ञ से प्रसन्न होकर देवराज इन्द्र के वरदान स्वरूप भगवान परशुरामजी का अवतरण हुआ.उन्होंने अन्याय और अत्याचार के खिलाफ जहां संघर्ष करने का संदेश दिया, वहीं दूसरी ओर माता-पिता के आदर्श पुत्र के रूप में भी माता-पिता की महत्ता भी समूचे विश्व को बताई.

बाल्यकाल में भगवान परशुरामजी ने शास्त्रों की प्रारम्भिक शिक्षा अपने पितामह ऋचीक और पिता जमदग्नि से ग्रहण की तथा शस्त्र संचालन का प्रशिक्षण राजर्षि विश्वामित्र से प्राप्त किया. बाल्यकाल में भगवान परशुरामजी की युद्ध कौशल में विशेष रुचि को देखते हुए उनके पूर्वजों ने उन्हें महादेव शिवजी की आराधना करने की आज्ञा दी.अपने पूर्वजों की आज्ञा से बालक भगवान परशुरामजी ने महादेव शिवजी की तपस्या कर उन्हें प्रसन्न

कर लिया. उनकी तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान महादेव ने उन्हें कई शस्त्र भी प्रदान किए.इसमें परशु यानी फरशा भी था. बाद में इसके कारण उनका नाम परशुराम हो गया. तत्पश्चात महादेव शिवजी इनके गुरुवर एवं आराध्य बन गए. महादेव शिवजी ने भगवान परशुरामजी को परशु प्रदान कर शक्ति संपन्नता दी.पितामह ने इनका नाम राम रखा था किन्तु जमदग्नि के पुत्र होने के कारण वे जामदग्न्य कहलाए और महादेव शिवजी द्वारा प्रदत्त परशु धारण करने के कारण भगवान परशुराम जी के नाम से में विख्यात हुए. भगवान परशुरामजी योग, वेद, नीति और युद्ध कौशल में पारंगत थे.भगवान परशुरामजी ने सम्पूर्ण भारतवर्ष में सनातन परम्पराओं के उत्थान एवं उन्नयन के लिए तथा भ्रष्ट एवं निरंकुश शासन व्यवस्थाओं में परिवर्तन के लिए संघर्ष किया.

भगवान विष्णुजी के छटे अवतार भगवान श्री परशुरामजी चिरंजीवी हैं.

अश्वत्थामा बलिर्व्यासो हनमांश्च विभीषणः.,कृपः परशुरामश्च सप्तैते चिरंजीविनः?

अर्थात अश्वत्थामा, राजा बलि, व्यासजी, हनुमानजी, विभीषण, कृपाचार्य और परशरामजी, ये सातों महापुरुष चिरंजीवी हैं, जो आज भी हैं.भगवान परशुरामजी उन सात चिरंजीवी महापुरुषों में से एक हैं जो कलयुग की रक्षा के लिए चिरंजीवी हैं. यह सभी भगवान विष्णु के कल्कि अवतार के पृथ्वीपर अवतरित होने पर उनके सहयोगी होंगे.भागवत पुराण के अनुसार भगवान परशुरामजी महेन्द्र पर्वत पर विराजित हैं.भगवान परशुरामजी महाभारत काल में भीष्म पितामह, द्रोणाचार्य एवं कर्ण के गुरु रहे हैं तथा भविष्य में भगवान विष्णु के नवें अवतार कल्कि को युद्ध कौशल में दीक्षित करेंगे.भगवान परशुराम जन्मोत्सव पर सभी को हार्दिक शुभकामनाएं.

हेमंतकुमार पटेरिया,अमरावती.

बालाजी प्लॉट में जलसंकट हल करने की सूरज मिश्रा ने दी चेतावनी

विदर्भ स्वाभिमान, 8 मई

अमरावती- गर्मी की तीव्रता के साथ ही ग्रामीण क्षेत्र ही नहीं बल्कि कई शहरी क्षेत्रों में जलसंकट वाली स्थिति पैदा हो गई है. इसी तरह की स्थिति शहर के बालाजी प्लॉट क्षेत्र में हुई है. पेयजल के लिए क्षेत्रवासियों को दर-दर भटकना पड़ रहा है. इसे गंभीरता से लेते हुए क्षेत्र के युवा सामाजिक कार्यकर्ता और युवा स्वाभिमान पार्टी के पदाधिकारी सूरज मिश्रा ने महाराष्ट्र जीवन प्राधिकरण को ज्ञापन देकर समस्या का तत्काल समाधान करने की मांग की है. इतना ही नहीं तो समस्या का समाधान नहीं होने पर उग्र रवैया अख्तियार कर आंदोलन छेड़ने की चेतावनी दी है. उनके मुताबिक लम्बे समय से क्षेत्रवासी जलसंकट से जूझ रहे हैं.

इसकी कई बार जानकारी देने के बाद भी समस्या का समाधान नहीं होने पर तीव्र रोष जताया है. गर्मी की तीव्रता बढ़ने के साथ ही पानी की जरूरत भी बढ़ गई है. ऐसे में पानी की कमी के कारण लोगों को दर-दर भटकना पड़ रहा है. ज्ञापन देते समय अशोक माहुलकर, पवन तिवसकर, अक्षय चौधरी, संगीता शेवाले, शोभा चौधरी के साथ ही बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित थे.

विदर्भ स्वाभिमान

जाहीर सुचना	10x2	500
जाहीर सुचना	15x2	1000
बच्चों का जन्मदिन	10x2	500
शादी की वर्षगांठ	10x2	500
नाम में बदल	10x2	500
गुमशुदा	10x2	400
श्रध्दांजलि	10x2	500
पुण्यस्मरण	15x2	1000

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें
विदर्भ स्वाभिमान, छाया कॉलोनी, अमरावती
मो. 9423426199/ 8855019189

सभी विप्र बंधुओं को आराध्य भगवान परशुराम जन्मोत्सव की हार्दिक शुभकामनाएं

शुभेच्छुक- मनीष चौबे तथा परिवार
सुख्यात समाजसेवी तथा अध्यक्ष भाजपा अंबापेठ मंडल,अमरावती.

एकता के सूत्र में बंधे सर्वशाखीय ब्राह्मण बंधु-मनीष चौबे

विदर्भ स्वाभिमान,8 मई

अमरावती- ब्राह्मण समाज बल,बुद्धि तथा समझदारी की खान रहने के बाद भी आज एकता के अभाव में पिछड़ा हुआ है. इनकी बुद्धिमानी का लोहा सभी लेते हैं. लेकिन समाज को अपनी प्रगति के लिए भी अपनी बुद्धि और बल का उपयोग करते हुए आगे बढ़कर समाज की मजबूती के साथ ही राष्ट्र की सेवा में भी भरपूर योगदान देना चाहिए. इस आशय का आग्रह समाज के आराध्य भगवान परशुराम जन्मोत्सव पर सुख्यात युवा सामाजिक कार्यकर्ता तथा भाजपा अंबापेठ मंडल के अध्यक्ष मनीष चौबे ने किया.

जन्मोत्सव पर निकलने वाली शोभायात्रा को अपनी शुभकामनाएं देते हुए इसमें सभी शाखाओं के ब्राह्मण बंधुओं से सहभागी होने का आग्रह किया. इसे अभूतपूर्व बनाने का अनुरोध भी किया.

शुभेच्छुक- सुदर्शन गांग, अरूणभाऊ कडू, प्रदीप मिश्रा तथा आनंद परिवार,बडनेरा,अमरावती.

क़न्यादान और राष्ट्रहित में मतदान जरूरी है

पं.प्रदीप मिश्रा की अचलपुर में कथा तोड़ रही है रिकार्ड, भीषण गर्मी भी बेअसर, उमड़े भक्त

विदर्भ स्वाभिमान
विशेष संस्कार पहल

बुराई से बुराई,अच्छाई से अच्छाई बढ़ती

श्री विट्ठलेश सेवा समिति के प्रमुख और अंतराष्ट्रीय कथा प्रवक्ता पंडित प्रदीप मिश्रा के मुताबिक जिस तरह काले कमरे में जाने के बाद काला लगना तय है, उसी तरह जीवन में बुराई करने पर बुराई ही बढ़ती है. लेकिन जब हम अच्छाई का साथ देते हैं तो निश्चित तौर पर अच्छाई बढ़ती है. प्रेम, सम्मान और अच्छी सोच ही जीवन में आपको लोगों के दिलों में स्थान देती है. जब हम अच्छा सोचते हैं तो हमारे जीवन में कई बदलाव आते हैं और अच्छाई स्वयं को बढ़ाने का काम करती है. लेकिन जब बुराई सोचते हैं तो वह बढ़ती है और सदैव बर्बादी का कारण बन जाती है. इसलिए अच्छा सोचें और जीवन में आगे बढ़ने का मार्ग प्रशस्त करें.

ज़यस्वाल बंधुओं की सर्वत्र सराहना

विदर्भ स्वाभिमान, 8 मई

अचलपुर- कन्यादान से बड़ा पुण्य नहीं होता है. जिसके भाग्य में कन्यादान मिल जाता है, वह अत्याधिक पुण्यवान होता है. बेटियां तो साक्षात लक्ष्मी का रूप होती हैं. इसलिए उनके सम्मान के साथ ही बेटियों पर ध्यान देना चाहिए. आज देश को संस्कारों की अत्याधिक जरूरत है. हमारे बच्चे कम पढ़ेंगे चलेगा, लेकिन संस्कार के मामले में जब पीढ़ी संवर जाएगी तो निश्चित तौर पर हमारा देश और अधिक गौरवान्वित होगा. इस आशय का उपदेशपूर्ण प्रतिपादन अंतर्राष्ट्रीय स्तर के शिव महापुराण कथाकार पंडित प्रदीप मिश्रा ने किया. यहां जारी कथा के आयोजकक प्रकाश और ओमप्रकाश जयस्वाल की जहां सराहना हो रही है, वहीं दूसरी ओर कथा सुनने के लिए लाखों भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी है. स्थिति का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि यहां पर भव्य मंडप कम पड़ रहा है और देशभर से आए महादेव भक्त जहां जगह मिल रही है, वहीं से कथा सुनने का पुण्यलाभ प्राप्त कर रहे हैं. कथा को लेकर अपार उत्साह वाली स्थिति है. भक्तों को मार्गदर्शन करते हुए पंडितजी विभिन्न राष्ट्रीय मुद्दों पर भी बात कर रहे हैं.

तहसील में जयस्वाल बंधुओं द्वारा आयोजित शिव महापुराण कथा में भक्तों का अपार सैलाब उमड़ा है. पंडित प्रदीप मिश्रा के मुताबिक देश में फिलहाल चुनाव उत्सव चल रहा है. हर भारतीय को मतदान राष्ट्रहति में करना चाहिए. आज अगर हम अपनी यह जिम्मेदारी निभाने में विफल रहे तो आने वाली पीढ़ियां हमें कभी माफ नहीं करेंगी. राष्ट्रहित में मतदान के महत्व को उन्हों ने प्रतिपादित किया.

मैं की बजाय समाज विकासार्थ हम की जरूरत

समाजसेविका निशि चौबे का मत, परशुराम जन्मोत्सव शोभायात्रा को अभूतपूर्व बनाएँ

विदर्भ स्वाभिमान, 8 मई

अमरावती- ब्राह्मण समाज के आराध्य और भगवान विष्णु के अवतार भगवान परशुराम जहां अन्याय के खिलाफ सख्त मिजाज वाले देवता हैं. किसी भी समाज की एकता ही उसकी सबसे बड़ी ताकत होती है. इसके लिए सभी में समझदारी, विनम्रता और मैं की बजाय हम का भाव होना चाहिए. जब समाज में हम का भाव आता है तो पूरा समाज तरक्की की राह पर चलता है और बड़ी ताकत बनता है. अखिल भारतीय ब्राह्मण महासंघ द्वारा 10 मई को

भगवान परशुराम जन्मोत्सव पर आयोजित शोभायात्रा में हर ब्राह्मण परिवार को उत्साह से शामिल होने के साथ ही हरसंभव सहयोग करना चाहिए. इस आशय का आग्रह सुख्यात समाजसेविका और कई पुरस्कारों से सम्मानित सौ. निशि चौबे ने किया.

विदर्भ स्वाभिमान से बातचीत करती हुई निशि चौबे ने कहा कि आज ब्राह्मण समाज में एकता की सर्वाधिक जरूरत है. हम पहले ही संख्या में कम हैं. उनके मुताबिक किसी भी समाज में एकता सभी की समझदारी से होती है. हमें यह याद रखना चाहिए कि हम बड़े नहीं हैं बल्कि सामाजिक एकता होने पर समाज बड़ा होने पर हमें स्वयं ही बड़प्पन का सम्मान प्राप्त होता है. भगवान भोलेनाथ की असीम भक्त तथा जीवन में उनके आशिर्वाद से आज असंभव भी संभव देख चुकी सौ. निशि चौबे के मुताबिक हम जब अच्छा करते हैं तो भोलेनाथ हमारा कभी बुरा नहीं होने देते हैं. ब्राह्मण समाज के लिए यह शोभायात्रा गर्व का विषय होना चाहिए और हजारों की संख्या में इसमें शामिल होकर अपनी ताकत का एहसास कराएं.

आओ सब मनाये परशुराम जयंती लेकर प्रभु का नाम करे गुणगान माँगे आशिष परमेश्वर से जप कर उनका नाम जय परशुराम , परशुराम जयंती की बहुत बहुत शुभकामनाएं।परशुराम जयंती भगवान परशुराम के जन्म का सम्मान करने के लिए मनाई जाती है, जो युद्ध और तीरंदाजी मे अपने असाधारण कौशल के लिए पूजनीय परशुराम भगवान है प्रतीक प्यार का राम है प्रतीक सत्य सनातन का इस प्रकार परशुराम का अर्थ है पराक्रम के कारक और सत्य के धारक हैं। उन्हें अपने पिता के प्रति समर्पण और धर्म को कायम रखने में उनकी भूमिका के लिए भी जाना जाता है।मुझे लगता है कि कहीं हम महिलाओं और सभी ने आगे बढ़ कर इस परशुराम शोभा यात्रा में आपसी मत भेद भूल कर पूरा प्रतिसाद देना चाहिए,न भाषा न भेद सर्व ब्रह्मण एक के इस लाइन को शोभा यात्रा में अपनी उपस्थिति दर्शा कर इस शोभा यात्रा को सफल बनाना चाहिए. समाज को सभी को सम्मान देने के साथ ही जोड़ने की दिशा में प्रयास करना चाहिए. ऐसा करने से समाज की एकता बढ़ने के साथ सभी का महत्व भी निश्चित रूप से बढ़ेगा.

विदर्भ स्वाभिमान

ज़ीवन में भाई तथा बहन का आत्मीय प्यार करोड़ों की दौलत से बढ़कर होता है. पैसे के लिए कभी भी रिश्तों को खराब नहीं करना चाहिए. हम सभी यात्री हैं, जीवन में कब कहां उतरना पड़ जाए कह नहीं सकते हैं, ऐसे में ऐसा काम करने का प्रयास करें, जिसके लिए याद रहें.

जरूरी नम्बर टोल फ्री

विद्युत सेवा	*1912*
पुलिस सेवा	*112*
अग्नि सेवा	*101*
एम्बुलेंस सेवा	*102*
यातायात पुलिस	*103*
आपदा प्रबंधन	*108*
चाइल्ड लाइन	*1098*
रेलवे पूछताछ	*139*
भ्रष्टाचार विरोधी	*1031*
रेल दुर्घटना	*1072*
सड़क दुर्घटना	*1073*
सीएम सहायता लाइन	*1076*
क्राइम सहायता	*1090*
महिला सहायता लाइन	*1091*
पृथ्वी भूकम्प	*1092*
बाल शोषण सहायता	*1098*
किसान काल सेन्टर	*1551*
नागरिक काल सेन्टर	*155300*
ब्लड बैंक	*9480044444*

अभूतपूर्व रहेगी परशुराम जन्मोत्सव शोभायात्रा

गणोरकर मठ में बैठक, सभी समाजबंधुओं ने लिया संकल्प, समाज में शाखीय भेद छोड़ एकता की जरूरत जताई

विदर्भ स्वाभिमान,8 मई

अमरावती- कहते हैं कि इतिहास वही समाज रखता है, जिस समाज में सहयोग, समन्वय और एक-दूसरे को सहयोग करने तथा एकता की ताकत होती है. लेकिन जिस समाज में एकता का अभाव होता है, वह समाज कभी प्रगति नहीं कर सकता है. इसी बात को ध्यान में रखते हुए ब्राह्मण समाज के आराध्य भगवान परशुराम जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में सकल ब्राह्मण समाज ने शाखा तथा भाषाओं में बंटे ब्राह्मण समाज को एक मंच पर लाने तथा ताकत बनाने का संकल्प जताया. इस बारे में गणोरकर मठ में हुई सभा में विभिन्न शाखाओं के प्रतिनिधियों नेच चर्चा करते हुए इस बार का भगवान परशुराम जन्मोत्सव भव्य पैमाने पर मनाने और सभी को इसमें शामिल करने के साथ ही पर्यावरण संतुलन जैसे वर्तमान में जरूरी विषय पर भी ध्यान देने का फैसला लिया. बैठक में समाज के विभिन्न शाखाओं के प्रमुख उपस्थित थे. अखिल भारतीय ब्राह्मण महासंघ के पप्पू छांगानी की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में विभिन्न विषयों पर चर्चा करने के साथ ही 10 मई को भव्य शोभायात्रा निकालने का फैसला लिया गया.

इस बैठक में समाज के विभिन्न मान्यव्रों ने मार्गदर्शन किया. सेवानिवृत्त

कार्यकारी अभियंता के साथ ही समाज की आर्थिक प्रगति और एकता पर सदैव जोर देने वाले तथा समाज के युवकों को मार्गदर्शन के साथ ही सदैव मदद करने वाले हेमंतकुमार पटेरिया के मुताबिक सभी को एक-दूसरे का साथ देने के साथ ही समाज को एकता के सूत्र में बांधने का आग्रह किया.

ब्राह्मण समाज की एकता के साथ ही सामाजिक और धार्मिक कार्यक्रमों में अग्रणी अखिल भारतीय ब्रह्मण महासंघ द्वारा 10 मई को ब्रह्मण समाज के आराध्य भगवान परशुराम जन्मोत्सव मनाया जाएगा. इस उपलक्ष्य में विभिन्न धार्मिक और सामाजिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है. जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में निकाली जाने वाली भव्य शोभायात्रा में सभी शाखाओं के ब्रह्मण बंधुओं से सहभागी होने तथा इसे अभूतपूर्व बनाने का आग्रह महासंघ द्वारा किया गया है.

इस बारे में शनिवार को बस स्टैन्ड रोड स्थित गणोरकर मठ में बैठक हुई. इसमें महासंघ के पदाधिकारियों ने भगवान परशुराम जन्मोत्सव के आयोजन की तैयारियों के बारे में जानकारी दी. साथ ही उपस्थित ब्रह्मण बंधुओं से उनके सुझाव भी जान लिए. हर साल की तरह ही इस वर्ष की भी शोभायात्रा को अभूतपूर्व बनाने में सभी से सहयोग देने का आग्रह किया. जन्मोत्सव को लेकर सकल ब्रह्मण समाज में उत्साह देखा जा रहा है. 10 मई को परशुराम जयंती पर निकलने वाली शोभायात्रा को भव्य

श्री श्याम महोत्सव 20 मई को,हजारों भक्त हों गे शामिल

श्री श्यामबाबा के भजनों में झूमें गे भक्त, अनुष्का,अभिष्टा, मयंक छांगानी के साथ सुमित बावरा के भजन हों गे

विदर्भ स्वाभिमान, 8 मई

अमरावती-शहर में भक्तिभाव के क्षेत्र में अग्रणी श्याम लखदातार परिवार द्वारा दूसरा वार्षिक श्याम महोत्सव 20 मई को आयोजित किया गया है. बडनेरा रोड की नैवेद्य रिसोर्ट में आयोजित इस कार्यक्रम का शीर्षक विश्वास श्री श्याम पर अरदास लखदातार से इस मौके पर मध्यप्रदेश के मंदसौर की भजन गायिका अनुष्का, अभिष्ठा, के साथ ही स्थानीय भजन गायक मयंक छांगानी, सुमित बावरा, श्याम भजन प्रस्तुत करेंगे. श्याम भक्तों से इसका लाभ लेने का आग्रह किया गया है.

इससे पूर्व 19 मई को निशान यात्रा सुबह 8 बजे विलास नगर के हनुमान मंदिर के निकट स्थित श्याम गली से निकलेगी. शहर के विभिन्न मार्गों से गुजरते हुए यह निशान यात्रा रायली प्लॉट स्थित सतीधाम मंदिर पहुंचेगी. यहां निशान यात्रा का समापन होगा. 20 मई को शाम 7 बजे नैवेद्य रिसोर्ट में वार्षिक श्याम महोत्सव का शुंभारभ होगा. लखदातार परिवार द्वारा यहां पर बाबा का भव्य दरबार स्थापित कर अलौकिक श्रृंगार किया जाएगा. श्याम रसोई, 56 भोग के साथ इत्र तथा पुष्पवर्षा की जाएगी. भक्तों से समय पर उपस्थित रह कर लाभ लेने का आग्रह किया गया है.महोत्सव सफल बनाने के लिए विपिन गुप्ता, संजोग तायवाडे, राजू शर्मा, अश्विन ठाकुर, सुनील बावरा, शुभम साखरे, सचिन सरवैया, प्रतीक गुप्ता, आकाश पवार, प्रेम तायवाडे के साथ ही श्यामबाबा लखदातार परिवार के भक्त प्रयास कर रहे हैं. उनके मुताबिक कार्यक्रम अभूतपूर्व रहेगा.

शुभेच्छुक
रमेश उर्फ पप्पू छांगानी एवं सभी पदाधिकारी
अध्यक्ष, अ.भा.ब्राह्मण महासंघ तथा सभी पदाधिकारी,सदस्य.

शुभेच्छुक
हेमंतकुमार पटेरिया,सौ.अनुराधा पटेरिया परिवार
सुख्यात समाजसेवी तथा समाज के लिए भी समर्पित व्यक्तित्व.

सभी के सहयोग से ही विकास संभव-डॉ.बाजपेयी

विदर्भ स्वाभिमान, 8 मई

अमरावती- ब्राह्मण समाज में प्रतिभाओं कीकमी नहीं है. इस समाज को सकारात्मक, सहयोग की सोच वाली भूमिका अपनाकर अपना तथा आने वाली पीढ़ियों के लिए काम करने का प्रयास करना चाहिए, ऐसा करने से निश्चित तौर पर यह समाज तेजी आगे बढ़ेगा. इस आशय का प्रतिपादन डॉ.अश्विनीकुमार बाजपेयी ने किया. उनके मुताबिक आराध्य भगवान परशुराम जन्मोत्सव के लिए सभी विप्र परिवारों को समय निकालते हुए इसे अभूतपूर्व बनाने का प्रयास करना चाहिए. सामाजिक एकता के बगैर विकास संभव नहीं है. इसलिए सभी को इस बारे में समय रहते सोचना चाहिए.उन्होंने जन्मोत्सव पर सभी ब्राह्मण बंधुओं को शुभकामनाएं देते हुए शाखाओं की बजाय एकजुटता के साथ संगठित होने और विकास करने की कामना की.

सभी के साथ से करें समाज का विकास-बालकिसन पांडेय

विदर्भ स्वाभिमान, 8 मई

अमरावती- ब्राह्मण समाज में प्रतिभाओं की कमी नहीं है. समाज में सभी का साथ सभी को मिले तो निश्चित तौर पर प्रगति के मामले में यह समाज सबसे आगे जा सकता है. सभी के साथ से ही समाज का विकास होगा. इस आशय का मत सुख्यात समाजसेवी और दुग्धपूर्णा के संचालक बालकिसन पांडेय ने किया. उन्हों ने भगवान परशुराम जन्मोत्सव पर सभी समाजबंधुओं को शुभकामनाएं देते हुए सभी से इसमें सहपरिवार सहभागी होने और अभूतपूर्व बनाने का आग्रह किया.

आमतौर पर ब्राह्मण समाज बुद्धिमानी, समझदारी, सामाजिक सेवा और दायित्व की भावना निभाने वाले शांतिपूर्ण तरीके से जीवन यापन करने वाला समाज है. इस समाज द्वारा कभी भी किसी की बुराई नहीं की जाती है. लेकिन समाज की सबसे बड़ी कमजोरी एकता का अभाव है. भगवान परशुराम जन्मोत्सव पर सभी ब्राह्मणों को एकता का संकल्प लेना चाहिए और समाज को मजबूत बनाने में अपना योगदान देना चाहिए.

सबके साथ से ही होता है समाज का विकास-शर्मा

विदर्भ स्वाभिमान, 8 मई

अमरावती- ब्राह्मण समाज में प्रतिभाओं की कमी नहीं है. लेकिन जब हमारी प्रतिभाओं का उपयोग हम स्वयं तथा आने वाली पीढ़ियों के लिए करने लगें गे तो निश्चित तौर पर यह समाज प्रगति के नए आयाम स्थापित करेगा. हम सभी ब्राह्मणों को हमारे तमाम अहम् भूलकर समाज के विकास पर ध्यान देने की आज जरूरत है. वर्ना आने वाली पीढ़ियां हमें कभी माफ नहीं करेंगी. इस आशय का मत सुख्यात व्यवसायी दीपक शर्मा ने किया. समाज के लिए समर्पित दीपक मानका के मुताबिक समाज बुद्धिमान है लेकिन मतभेदों के कारण ही पिछड़ गया है. प्रभु परशुराम जन्मोत्सव पर सभी को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि समय रहते समाज को एकता के सूत्र में बनकर बड़ी ताकत बननी चाहिए. यहां हर बात बहुमत से होती है, इसका गौर करना सभी के लिए जरूरी है. उन्होंने भगवान परशुराम जन्मोत्सव शोभायात्रा में सभी से सहपरिवार शामिल होने और इसे सफल बनाने में योगदान देने का आग्रह किया. साथ ही सभी को शुभकामनाएं दी.

सदस्यता पंजीयन शुरू

विदर्भ स्वाभिमान नारी युवा मंच की सदस्यता पंजीयन का अभियान आरंभ हो गया है. आप भी फार्म भरकर सदस्य बनकर अपनी खुशियों को बढ़ाने का काम कर सकती हैं. सदस्य बनने के लिए कार्यालय में संपर्क करें.

मो. 8855019189
9518528233

क्रा वंदन

परशुराम जयंती 2024

समाज की एकता का सभी संकल्प लें, न भाषा न भेद, सभी ब्राह्मण एक पर अमल होना चाहिए

ब्राह्मण समाज के आराध्य भगवान विष्णु के छठवें अवतार प्रभु परशुरामजी जन्मोत्सव में शामिल तथा शोभायात्रा को हमारी मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं.

शुभेच्छुक

दीपक मानका शर्मा कांच वाले तथा परिवार, जवाहर रोड,अमरावती.

विदर्भ स्वाभिमान क्रा वंदन

परशुराम जयंती 2024

समाज की एकता का सभी संकल्प लें, न भाषा न भेद, सभी ब्राह्मण एक पर अमल होना चाहिए

ब्राह्मण समाज के आराध्य भगवान विष्णु के छठवें अवतार प्रभु परशुरामजी जन्मोत्सव में शामिल तथा शोभायात्रा को हमारी मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं. सभी ब्राह्मण सहपरिवार इसमें शामिल होकर एकता का दर्शन कराएँ.

शुभेच्छुक

सौ. निशि चौबे तथा परिवार, अमरावती.

विदर्भ स्वाभिमान क्र वंदन

परशुराम जयंती 2024

विकास उसी समाज का होता है, जिस समाज में एकता हो, हमें भी वही करना चाहिए

ब्राह्मण समाज के आराध्य भगवान विष्णु के छठवें अवतार प्रभु परशुरामजी जन्मोत्सव में शामिल बंधुओं तथा शोभायात्रा को हमारी मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं.

शुभेच्छुक

बालकिसन पांडेय तथा परिवार,
दुग्धपूर्णा शीतालय,अमरावती.

विदर्भ स्वाभिमान क्र वंदन

परशुराम जयंती 2024

भगवान विष्णु के छठवें अवतार प्रभु परशुरामजी जन्मोत्सव में शामिल बंधुओं को हमारी मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं.एकता के साथ विकास करें, यही कामना.

शुभेच्छुक

अभिलाष मिश्रा तथा समस्त मिश्रा परिवार, अमरावती.

हर घर में हो यह किताब

माता-पिता की उपेक्षा करने वाले घर में कभी शांति, सम्पन्नता नहीं रह सकती है. यदि रही भी तो आत्मिक सुकून बिल्कुल नहीं रहता है. आदर्श विचार जीवन में खुशी का केन्द्र रहते हैं. ऐसे में माता-पिता की सेवा के महत्व, उससे होने वाले चमत्कार, माता-पिता की सेवा नहीं करने के परिणाम को दिखाने का प्रयास इस किताब में किया गया है. बच्चों में बेहतरीन संस्कार के लिए यह जरूरी है.संस्कार का जीवन में कितना महत्व है, इस पर किताब में प्रकाश डाला गया है. प्राप्ती के लिए संपर्क करें. कीमत केवल 125 रूपए. जिस घर में माता-पिता हंसते हैं, भगवान वहीं पर बसते हैं.आजमाकर देखें.इसके लिए यह किताब जल्द से जल्द खरीदें और माता-पिता सेवा का असर देखें.

मो. 9423426199/8855019189

समाज को जोड़ने तथा मजबूत बनाने का युवा वर्ग ले संकल्प- अभिलाष मिश्रा

विदर्भ स्वाभिमान, 8 मई

अमरावती- ब्राह्मण समाज की आबादी के लिहाज से संख्या पहले ही कम है, उसमें भी आपसी मतभेद, अहंकार के कारण यह समाज एकजुट नहीं हो पाता है. आज ब्राह्मण समाज में युवाओं की कमी नहीं है. लेकिन एकता के अभाव में हम ताकत नहीं बन पाए हैं. मतभेद भुलाते हुए पूरे समाज को एकजुट होकर कार्य करना चाहिए. इस आशय का आग्रह युवा पत्रकार तथा सामाजिक कामों में अग्रणी अभिलाष मिश्रा ने कहा. उनके मुताबिक तमाम अत्याचारों के बाद भी इस समाज ने अपनी प्रगति की छाप सभी पर छोड़ी है. लेकिन अगर पूरा समाज एक हो जाए तो कुछ भी करने की ताकत रखता है.

ब्राह्मण समाज के आराध्य और भगवान विष्णु के अवतार भगवान परशुराम जहां अन्याय के खिलाफ सख्त मिजाज वाले देवता हैं.एकता की ताकत सबसे बड़ी ताकत होती है. चाहे परिवार की एकता की बात हो चाहे समाज की एकता की बात हो. एकता से ही विकास किया जा सकता है. भगवान परशुराम जन्मोत्सव पर सभी को शुभकामनाएं देते हुए अभिलाष ने कहा कि समाज को जोड़ने का प्रयास होना चाहिए. एक-दूसरे की बुराईयों की बजाय हम अच्छाईयों का प्रचार किस तरह कर सकते हैं और समाज को मजबूत कर सकते हैं, इसका विचार किया जाना चाहिए.

जितेंद्र गवळी
Mob: 8857065788

इलेक्ट्रीक

प्लम्बींग

कलरींग

संपुर्ण कामे योग्य दरात केल्या जाईल.

पत्ता: बालाजी नगर, पुष्पक कॉलनी,
ठाकुर यांच्या दवाखाण्या जवळ, अमरावती.

विदर्भ स्वाभिमान

विज्ञापन सहयोगी चाहिए

विदर्भ में तेजी से लोकप्रिय, आचार-विचार और संस्कारों को बढ़ावा देने वाले विदर्भ स्वाभिमान को विज्ञापन सहयोगी की आवश्यकता है. बाजार पर पकड़ रखने वाले और आर्थिक मजबूती के साथ ही संभाषण कला में निपुण युवक-युवतियां संपर्क करें. काम के आधार पर मानधन और उनके द्वारा किए गए व्यवसाय पर कमीशन भी दिया जाएगा. मेहनती तथा काम के प्रति जिद्दी युवक-युवतियां ही संपर्क करें.

संपर्क का समय सुबह 10-12 बजे

मोबाइल 9423426199

सबके साथ से ही होता है समाज का विकास-रोशनी दुबे

विदर्भ स्वाभिमान, 8 मई

अमरावती- ब्राह्मण समाज के आराध्य और भगवान विष्णु के अवतार भगवान परशुराम जहां अन्याय के खिलाफ सख्त मिजाज वाले देवता हैं.एकता की ताकत सबसे बड़ी ताकत होती है. चाहे परिवार की एकता की बात हो चाहे समाज की एकता की बात हो. एकता से ही विकास किया जा सकता है. ब्राह्मण समाज को भी एकता के साथ विकास सुनिश्चित करना चाहिए. समाजबंधुओं के एक-दूसरे का सहयोग करने का प्रयास करना चाहिए. इससे समाज प्रगति करेगा. भगवान परशुराम जन्मोत्सव पर सभी को शुभकामनाएं देते हुए समाजसेविका रोशनी दुबे ने कहा कि हमें समाज को जोड़ने में सदैव अग्रणी रहना चाहिए.

किसी भी समाज की एकता ही उसकी सबसे बड़ी ताकत होती है. इसके लिए सभी में समझदारी, विनम्रता और मैं की बजाय हम का भाव होना चाहिए. जब समाज में हम का भाव आता है तो पूरा समाज तरक्की की राह पर चलता है. सामाजिक और बड़ी ताकत बनता है. अखिल भारतीय ब्राह्मण महासंघ द्वारा 10 मई को भगवान परशुराम जन्मोत्सव पर आयोजित शोभायात्रा में हर ब्राह्मण परिवार को उत्साह से शामिल होने तथा इसे अभूतपूर्व बनाने का आग्रह उन्होंने किया. बिना मतभेद के सभी को समाज की एकता के प्रयासों में जुटने का अनुरोध किया.

गुणवत्ता विश्वसनीयता तत्पर सेवा

शालेय, महाविद्यालयीन पाठ्य पुस्तक, सामान्य ज्ञान स्पर्धा की विभिन्न किताबे, रजिस्टर, नोटबुक्स, कम्पास सहित सभी प्रकार की फाइलें,बुक्स, स्टेशनरी का एकमात्र विश्वसनीय स्थान. रियायती कीमत तथा तत्पर सेवा ही हमारी विशेषता है.

--संपर्क--

प्रथमेश बुक व जनरल स्टोअर्स, रविनगर चौक, अमरावती.

सन 1967 पासून

अमरावती शहरात वाजवी दरात सर्वात जास्त प्लाटस्चे सौदे करणारे एकमेव इस्टेट एजंट

संजय एजंसीज्

टाऊन हॉल समोर, नेहरू मैदान,अमरावती.

फोन 2564125,2674048

राजपुरोहित डिजिटल स्टुडियो

शादी-ब्याह का रंग, हमारे संग

आधुनिकतम साज-सज्जा के साथ ही रियायती कीमत में बेहतरीन गुणवत्ता क़ी विडियो शूटिंग के लिए शहर ही नहीं तो समूचे विदर्भ में एकमात्र विश्वसनीय केन्द्र.फोटोग्राफी, विडियो शूटिंग के साथ अलबम के काम किए जाते हैं.

राजपुरोहित फोटो स्टुडियो

कृष्णार्पण कॉलोनी, संत लहानुजी महाराज मंदिर के पास,अमरावती.अमरावती.

मो.9028123251

भगवान विष्णु के छठवें अवतार प्रभु परशुरामजी जन्मोत्सव में शामिल बंधुओं को हमारी मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं.एकता के साथ विकास करें, यही कामना.

-शुभेच्छुक -

सौ.रोशनी दुबे तथा परिवार *सुख्यात समाजसेविका, संचालिका,* ***दुर्गा मंदिर, शोभानगर,*** *अमरावती.*

विदर्भ स्वाभिमान क्रा वंदन

परशुराम जयंती 2024

विदर्भ स्वाभिमान

RNI NO. MAHHIN / 2010 /43881

संपादक : सुभाषचंद्र दुबे

प्रबंधक : सौ. विणा एस. दुबे

❖ अमरावती, गुरूवार 21 से 27 मार्च 2024 ❖वर्ष :14 ❖ अंक- 39 ❖ पृष्ठ 8 ❖ मूल्य - 4/- पोस्टल रजि.नं ATI/RNP/268/2022-2024 ❖डाक : शुक्रवार-शनिवार

समूचे भारत में माता-पिता की सेवा के महात्म्य और उनके आशिर्वाद की महत्ता को बढ़ावा देने वाले, भारतीय संस्कृति, धर्म और सामाजिक अच्छाईयों को समर्पित तथा इसे ही बढ़ावा देने के संकल्प के साथ 14 वर्षों से पत्रकारिता का गौरव बढ़ाने वाला एकमात्र समाचार पत्र. मानवता की सेवा, पशुओं की रक्षा के साथ ही बच्चों पर आदर्श संस्कार के लिए प्रयासरत है. आप भी माता-पिता की सेवा से जुड़े अपने विचार हमें भेज सकते हैं. मानवता की सेवा वाले प्रसंगों को भी प्रकाशित करेंगे.

समस्त ब्राह्मण समाज के आराध्य और अन्याय, अत्याचार के खिलाफ कभी हार नहीं मानने और संघर्ष करने की सीख देने वाले भगवान परशुराम जन्मोत्सव पर सभी ब्राह्मण बंधुओं को हार्दिक शुभकामनाएं. हमें यह संकल्प लेना चाहिए कि हर ब्राह्मण सदस्य अपने समाज की एकता के साथ ही राष्ट्र के विकास के लिए संकल्पबद्ध होकर लगातार प्रयास करेगा. समय की दरकार है कि आज अगर हम एकजुट नहीं हुए तो आगामी पीढ़ी हमें माफ नहीं कर पाएगी.

विज्ञापन, आजीवन सदस्य बनने के लिए संपर्क करें

हमारा पता-विदर्भ स्वाभिमान श्रीहरी भवन, छाया कॉलोनी, गजानन महाराज मंदिर के पीछे, जाधव आटा चक्की तथा विदर्भ स्वाभिमान गल्ली, अमरावती.

मोबाइल 9423426199/8855019189/8208407139

Email-vidarbh.swabhiman@gmail.com,www.vidarbhswabhiman.com